हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 28 जुलाई 2025

तापमान
अधिकतम 38.0 डिग्री
न्यूनतम 25.2 डिग्री

11 सीएम की सकारात्मक सोच से दिव्यांग अभ्यर्थियों ...

12 तीज पर्व: महिलाओं ने लोकगीत गाए और झूले ...

खबर संक्षेप

मेडिकल मोड़ पर आज रक्तदान शिविर

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से सोमवार सुबह 9 बजे मेडिकल मोड पर विश्व हेपेटाइटिस डे के अवसर रक्तदान शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें रक्तदान करने वाले सभी लोगों को प्रमाणपत्र और टी शर्ट भेंट की जाएगी।

नशीले पदार्थ सहित युवक गिरफ्तार

रोहतक। हरियाणा प्रदेश को नशा मुक्त करने के हरियाणा सरकार के अभियान को साकार करते हुए हरियाणा एनसीबी की भिवानी यूनिट ने जिले के महम थाना क्षेत्र के गांव फरमाना में अवैध नशीले पदार्थों के कारोबार में लिप्त एक नशा तस्कर को 1.034 किलोग्राम चरस सहित गिरफ्तार किया। हरियाणा एनसीबी भिवानी यूनिट के इंचार्ज निरीक्षक अमर सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक पंखुडी कुमार के नेतृत्व व उप पुलिस अधीक्षक सत्येंद्र कुमार के निर्देशन में सहायक उप निरीक्षक मंजीत अपनी टीम के साथ थाना महम जिला रोहतक के एरिया में मौजूद था। इस दौरान गांव फरमाना में एक नशा तस्कर अवैध नशीले पदार्थों की तस्करी करने वाला है। आरोपी को अवैध नशीले पदार्थ सहित काबू किया जा सकता है। सूचना पर पुलिस टीम ने आरोपी को काबू किया। जांच के दौरान सामने आया कि आरोपी के पास से कुल 1.034 किलोग्राम अवैध नशीला पदार्थ चरस बरामद हुआ।

श्मशान घाट की चारदीवारी में पुरानी ईटों का प्रयोग

महम। गांव भराण में पंचायत विभाग द्वारा श्मशान घाट की चारदीवारी का निर्माण किया जा रहा है। इसके लिए टेंडर जारी किया गया था और ठेकेदार इस काम को करवा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार द्वारा श्मशान घाट की चार दीवारी के निर्माण कार्य में पुरानी ईटों का प्रयोग किया जा रहा है। गांव के सरपंच मोनू और पूर्व सरपंच जोगेंद्र सिंह ने बताया कि ग्रामीणों ने जब उनको इस बात की शिकायत की तो वे मौका देखने के लिए श्मशान घाट पहुंचे तो ग्रामीणों की बात सच पाई गई। उसके बाद उन्होंने ठेकेदार से बातचीत की। ठेकेदार को पुरानी ईंटों का प्रयोग न करने के लिए हिदायत दी गई है। हालांकि ठेकेदार ने कहा है कि वह पुरानी ईंटों का प्रयोग नहीं करेगा। सरपंच मोनू ने कहा है कि यदि ठेकेदार ने पुरानी ईंटें लगाना बंद नहीं किया तो वे निर्माण कार्य को बंद करवा देंगे।

29 को बनियानी में रात्रि ठहराव कार्यक्रम :एडीसी

रोहतक। अतिरिक्त उपायुक्त नरेंद्र कुमार ने बताया कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन द्वारा हरियाणा उदय कार्यक्रम के तहत 29 जुलाई को कलानौर खंड के गांव बनियानी में रात्रि ठहराव कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। नरेंद्र कुमार ने बताया कि शुक्रवार को सायं 5 बजे रात्रि ठहराव कार्यक्रम में उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ग्रामीणों की शिकायतें सुनेंगे तथा इन शिकायतों के निपटारे के लिए अधिकारियों को दिशा-निर्देश देंगे। रात्रि ठहराव कार्यक्रम के दौरान गांव की सामूहिक समस्याओं का समाधान भी किया जाएगा। विभिन्न विभागों द्वारा 29 जुलाई को बनियानी गांव स्थित सामुदायिक केंद्र में आयोजित होने वाले रात्रि ठहराव कार्यक्रम होगा।

निःशुल्क किडनी जांच शिविर लगाया

रोहतक। डीएलएफ कालोनी चौक स्थित बाबा बंदा सिंह बहादुर चैरिटेबल डायलिसिस सेंटर में रविवार को निःशुल्क किडनी जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में किडनी संबंधित सभी समस्याओं की मुफ्त जांच की गई। शिविर में डॉक्टर राजेश गोयल (वरिष्ठ किडनी रोग विशेषज्ञ पुष्पावती सिंघानिया अस्पताल दिल्ली) द्वारा रोगियों की जांच की। शिविर में लगभग 60 मरीजों की जांच की गई और सभी को उपचार के लिए दवाईयां भी प्रदान की गई।

निजी अस्पताल के बाहर थार सवार दो युवक शव फेंक कर फरार

बोले-पैसे और कागज लेकर आते हैं वापस, पुलिस कर रही तलाश, सीसीटीवी खंगाले

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

शहर में रविवार को रेडियो स्टेशन के पास एक निजी अस्पताल के बाहर दो युवक एक शव फेंककर फरार हो गए। इसकी सूचना आस-पास के लोगों ने पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी। जांच के दौरान सामने आया कि दो थार सवार युवक गाड़ी में आए और शव को निजी अस्पताल के बाहर फेंकर भाग गए। जाते जाते बोले कि पैसे और कागज लेकर आते हैं। पुलिस सीसीटीवी के आधार पर आरोपियों की तलाश कर रही है। हालांकि अभी तक युवक की पहचान नहीं हो पाई है।

जांच करती पुलिस

की जा रही जांच

मृतक की अभी पहचान नहीं हो सकी है। मृतक के शरीर पर चोट के काफी निशान हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि युवक की पीट-पीटकर हत्या की गई है। फिलहाल, पुलिस आरोपियों को पहचानने के लिए आसपास लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। साथ ही शव को पीजीआई के शवगृह में रखवा दिया है। -**प्रदीप कुमार**, एएसआई, आर्य नगर

ये है पूरा मामला

बता दें कि रविवार को दो युवक गाड़ी में आए और निजी अस्पताल के बाहर एक युवक को फेंककर फरार हो गए। युवक को देश अस्पताल के बाहर कर्मचारी ने स्टाफ को सूचना दी। सूचना मिलते ही युवक को स्ट्रेचर पर रखा और डॉक्टरों को बुलाया गया, लेकिन तब तक युवक की मौत हो चुकी थी। इसके बाद डॉक्टर व आस-पास के लोगों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले की जांच शुरू कर दी है। वहीं, पुलिस आस-पास में लगे सीसीटीवी खंगाल रही है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की है। हालांकि, शव की अभी पहचान नहीं हो पाई है।

थार सवार युवक जल्दी में थे

अस्पताल के कर्मचारी का कहना है कि थार में आए युवक जल्दी में थे। अस्पताल के बाहर मौजूद स्ट्रेचर पर युवक को रखा और वे केवल इतना कहकर भाग गए कि वह जींद बाइपास पर पैसे और कागजात भूल गए हैं। अभी लेकर आते हैं। बाद में डॉक्टर ने आकर चेक किया तो स्ट्रेचर पर पड़ा युवक मर चुका था। उसके चेहरे समेत पूरे शरीर पर चोट के निशान थे। इसकी सूचना पुलिस को दी गई। कर्मचारी स्टाफ ने मामले की सूचना अस्पताल प्रबंधन को दी। इसके बाद एक डॉक्टर ने बाहर आकर देखा और स्ट्रेचर पर लेटे युवक की जांच की। तब पता चला कि युवक मर चुका है।

31 जुलाई तक मिलेगी हाउस टैक्स जमा करवाने में छूट

रोहतक। नगर निगम ने करदाताओं को राहत देते हुए 31 जुलाई तक संपत्तिकर पर 10 प्रतिशत की छूट देने की घोषणा की है। इस छूट का लाभ अधिक से अधिक लोग उठा सकें, इसके लिए 26 और 27 जुलाई को शनिवार व रविवार होने के बावजूद निगम कार्यालय खोलकर टैक्स जमा करवाया गया। नगर निगम आयुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने बताया कि यह छूट चालू वित्तवर्ष 2025-26 के संपत्तिकर पर लागू होगी और संबंधित अधिकारी-कर्मचारी सप्ताहांत में भी सामान्य कार्य दिवस की तरह मौजूद रहेंगे, ताकि करदाताओं को किसी तरह की असुविधा न हो। निगम आयुक्त डॉ. ने बताया कि करदाता 31 जुलाई तक संपत्तिकर जमा करवाते हुए 10 प्रतिशत छूट का लाभ उठाए।

▶▶ जिले में 68 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे ▶▶ परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न ▶▶ अधिकारियों ने ली राहत की सांस

सीईटी: दूसरे दिन 30721 परीक्षार्थियों ने दी परीक्षा

- शक पर 14 परीक्षार्थियों को पूछताछ के लिए रोका गया जिनके कागजों की वेरिफिकेशन की गई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सीईटी के लिए रविवार को दूसरे दिन भी 68 परीक्षा केंद्रों पर सुबह और शाम के सत्र में परीक्षा का आयोजन किया गया। शाम तक परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। डीसी धर्मेंद्र सिंह, एसपी नरेंद्र बिजराणिया सहित अन्य अधिकारियों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। दोनों सत्रों में 30721 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। इस दौरान सुबह के सत्र में कुल 16360 परीक्षार्थियों में 15315 परीक्षार्थी (93.61 प्रतिशत) परीक्षा देने पहुंचे और 1045 परीक्षार्थी गैर हाजिर रहे। 51 स्कूलों में बनाए गए सभी केन्द्रों पर वीडियोग्राफी की गई। इसी तरह सायं कालीन सत्र में 16360 परीक्षार्थियों में 15406 परीक्षार्थी (94.16 प्रतिशत) परीक्षा देने आए तथा 954 गैर हाजिर रहे। स्थानीय पुलिस द्वारा शक के आधार दोनों परीक्षाओं में 14 परीक्षार्थियों को पूछताछ के लिए रोका गया। जिनके कागजों की वेरिफिकेशन की गई।

सौ से अधिक शटल बस सेवा संचालित की गई

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि इसी प्रकार भिवानी से रोहतक आने वाले अभ्यर्थियों के लिए भी अलग से व्यवस्था राजीव गांधी खेल परिसर में की गई थी। रोहतक में 65 व महम में 03 परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। इन सभी परीक्षा केंद्रों पर जाने वाले अभ्यर्थियों के लिए 13 अलग-अलग रूट विभाजित किए गए थे। एक सौ से अधिक शटल बस सेवा संचालित की गई थी। उपायुक्त ने जहां विभिन्न परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। वहीं दिनभर परीक्षा की गतिविधियों की मॉनिटरिंग भी करते रहे। उद्देश्य यही था कि इन परीक्षाओं का निष्पक्ष व शांतिपूर्ण तरीके से संचालन हो और किसी भी अभ्यर्थी को किसी भी तरह की दिक्कत ना हो ।

गलती से रोहतक आए छात्र को भिजवाया महम

गुरुग्राम व फरीदाबाद के अलावा शटल बस सेवा के सुचारू संचालन के लिए जीएम रोडवेज विपिन कुमार भी लगातार अपने कार्य में जुटे रहे। एक अभ्यर्थी गलती से राजीव गांधी खेल परिसर पर आ गया था, जबकि उसका परीक्षा केंद्र महम में था। उसे तुरंत विशेष बस के माध्यम से परीक्षा केंद्र पहुंचाया।

परीक्षा केंद्र के बाहर लगी महिला अभ्यर्थियों की भीड़

हम भी पीछे नहीं

कान की बाली निकालती महिला

डीसी ने किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने दूसरे दिन भी विभिन्न परीक्षा केंद्रों का जायजा लिया। उपायुक्त ने अभ्यर्थियों से बातचीत की। उनसे व्यवस्थाओं के बारे में फीडबैक भी लिया। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि व्यवस्थाओं को लेकर सभी बच्चे संतुष्ट नजर आये। उन्होंने कहा कि रोहतक से गुरुग्राम व फरीदाबाद जाने के लिए परिवहन की मजबूत व्यवस्था की गई थी। किसी भी अभ्यर्थी को समस्या नहीं आने दी गई। बस स्टैंड रोहतक पर बार-बार अनाउंसमेंट के माध्यम से अभ्यर्थियों को सूचना दी गई ताकि एक भी अभ्यर्थी परीक्षा केंद्र जाने से छूट न पाए। अभ्यर्थियों की सुविधा के लिए बस स्टैंड रोहतक पर अलग-अलग हेल्प डेस्क स्थाडीसी धर्मेंद्र सिंह ने लगातार किया परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण :-पित किए गए थे। बाकायदा विद्यार्थियों को उनके परीक्षा कोड के अनुसार बताया गया था कि उन्हें अपने परीक्षा केंद्र तक जाने के लिए कौन से बूथ नंबर से बस में सवार होना है।

जेबीटी टीचर ने छात्र को स्कूटी से सेंटर पहुंचाया

जीएम विपिन कुमार से प्रभावित होकर जेबीटी टीचर धर्मवीर भी दो दिनों तक अभ्यर्थियों की सहायता इस कार्य में जुटे रहे। उन्होंने लगभग एक दर्जन ऐसे अभ्यर्थियों को अपनी स्कूटी के माध्यम से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचा जो किसी कारणवश लेट हो गए थे।

चेयरमैन ने लिया परीक्षा केंद्रों का जायजा

सीईटी के दूसरे दिन हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग के चेयरमैन हिम्मत सिंह ने प्रातःपरीक्षा शुरू होते ही गौड़ ब्राह्मण सेंट्रल सीनियर सेकेंडरी स्कूल में पहुंच कर परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं का जायजा लिया। परीक्षा केंद्र के निरीक्षण के दौरान रोहतक के उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह भी उनके साथ रहे। आयोग के अध्यक्ष हिम्मत सिंह व उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने परीक्षा केंद्र में अभ्यर्थियों व ड्यूटी देने वाले स्टाफ से भी बातचीत की। परीक्षा केंद्र की व्यवस्थाओं को लेकर दोनों अधिकारियों ने संतुष्टि जताई।

डीसी ने की अधिकारियों की प्रशंसा

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि हरियाणा राज्य कर्मचारी आयोग द्वारा दो दिनों तक चार सत्रों में आयोजित सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) के सफल आयोजन के लिए प्रशासनिक अधिकारियों व परीक्षा से जुड़े सभी हितधारकों की मेहनत रंग लाई। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि अधिकारियों के बीच बेहतर तालमेल, कार्य के प्रति निष्ठा व समर्पण भावना के चलते ही इस महत्वपूर्ण परीक्षा का आयोजन सफल हो पाया है। उन्होंने कहा कि इस परीक्षा को पारदर्शी व शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न करवाने के लिए प्रशासन पिछले कई दिनों से कवायद कर रहा था। इस परीक्षा की सफलता सुनिश्चित करने के लिए योजनाबद्ध से कार्य किया गया। सभी अधिकारियों व कर्मचारियों ने पूरी लगन व मेहनत के साथ अपने दायित्व का निर्वहन किया।

महिलाओं के दुपट्टे उतरवाए, एंट्री रोकी तो गेट पर टांगने पड़े, डीसी ने वापस करवाए

डीएवी स्कूल में सीईटी परीक्षा देने पहुंची कुछ महिलाओं को ज्यादा सख्ती का सामना करना पड़ा। चेकिंग के दौरान परीक्षा स्टाफ ने दुपट्टे चेकिंग के दौरान गेट पर ही उतरवा दिए गए। इसका कुछ महिला परीक्षार्थियों ने विरोध भी किया। सेंटर में एंट्री में देरी होते देख कुछ महिला परीक्षार्थियों ने अपने दुपट्टे उतारकर वहीं गेट पर टांग दिए और अंदर पहुंचीं। इसी दौरान कुछ लोगों ने इस मामले की सूचना डीसी धर्मेंद्र सिंह को दी। मामले की सूचना मिलते ही डीसी धर्मेंद्र सिंह तुरंत सेंटर पर पहुंचे और चेकिंग स्टाफ को फटकार लगाते हुए महिलाओं को दुपट्टे वापस देने के निर्देश दिए। हालांकि इससे पहले ही कई महिला परीक्षार्थी बिना दुपट्टे के ही एग्जाम सेंटर में एंट्री ले चुकी थीं।

रोल नंबर चेक करते अभ्यर्थी

परीक्षार्थियों को केंद्र तक पहुचाने में कारगर साबित हुई डायल 112 गाड़ियां

सीईटी परीक्षा देनी जा रहे परीक्षार्थियों ने मदीना टोल से डायल 112 पर कॉल की। जिसमें लड़की ने बताया कि वह हिसार से सीईटी की परीक्षा देने के लिये सोनीपत के लिये बस मे बैठी थी। उसके साथ 2 अन्य छात्राए भी थी तथा एक सहेली साथ जा रही थी। बस जब मदीना टोल (रोहतक) के पास पहुंची तो बस का टायर फट गया। बस का टायर फटने के कारण छात्राएं समय रहते हुये परीक्षा सेंटर पर पहुचंने के लिये डायल 112 पर कॉल किया। जिला रोहतक पुलिस द्वारा कॉल पर तुरंत कार्यवाही करते हुये मदीना टोल पर छात्राओं के पास डायल 112 की ईआरवी-589 पहुंची। इस पर तैनात एसआई सुरेश ने अपने स्टाफ सहित छात्राओं को डायल-112 गाडी मे बैठाकर सोनीपत में स्थित परीक्षा सेंटर पर समय पर पहुंचाया। ईआरवी-589 के स्टाफ द्वारा सराहनीय कार्य किया गया है। छात्राओं ने जिला रोहतक पुलिस के प्रति आभार व्यक्त किया है।

परेशानी | बिजली लाइनों की मरम्मत के चलते लगेगा कट

आज शहर की कई कॉलोनियों में बिजली रहेगी बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

बिजली नहीं आने की समस्या से सोमवार को शहरवासियों को जूझना पड़ेगा। गर्मी के मौसम में लोगों को बिजली कटों से निजात मिले। इसके लिए बिजली वितरण निगम ने गर्मी शुरू होने से पहले बड़े पैमाने पर काम करवाना था।

लेकिन निगम ऐसा शायद ही कर पाया हो। जिस तरह से गत वर्ष की गर्मियों में मेंटिनेंस के लिए कट लगाए जाते थे, बिजली निगम उसी तरह इस समय भी कट लगा रहा हैं। विभाग के अधिकारी हर रोज शाम को शेड्यूल जारी कर रहे हैं कि कल बिजली लाइनों की मरम्मत होगी और उस उस कॉलोनी में बिजली के इस समय से उस समय तक कट रहेंगे। इसके कारण लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, क्योंकि कुछ कॉलोनियां तो ऐसी है कि जिस समय पानी आता है उसी समय बिजली का कट है। वहीं, बिजली कट लगने के कारण लोगों का कामकाज भी भाविता हो रहा है।

सुबह 8.30 से 12.30 बजे तक
बैंक कॉलोनी
सूर्य नगर
प्रवेश नगर
भगतनी वाली गली
गोहाना रोड पीर बोधी वाला एरिया
छिकारा पेट्रोल पम्प
गरिमा गार्डन
पठानिया स्कूल
बॉक्स

1.30 से 5.30 बजे तक
छोटू राम नगर
सूर्य नगर
सुखपुरा चौक
राजेंद्र नगर
गोहाना रोड
बॉक्स

सुबह 9 से 11 बजे तक
जाट शिक्षण संस्थान
मस्तनाथ नगर
गढ़ी बोहर

सुबह 9 से 1 बजे तक
रामगोपाल कॉलोनी
एरिया कमल कॉलोनी

महम में दूसरे दिन भी शांतिपूर्ण तरीके से संपन्न हुई सीईटी परीक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

सीईटी के लिए महम में बनाए गए गए तीनों परीक्षा केंद्रों में दूसरे दिन भी दोनों सत्रों की परीक्षा शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुई। महम पुलिस द्वारा प्रातःकालीन और सांयकालीन सत्र में पर्याप्त पुलिस बल तैनात किया गया था। परीक्षार्थियों के एडमिट कार्ड बारीकी से चैक किए गए। परीक्षार्थियों के परीक्षा केंद्रों में पहुंचने के लिए बसों का उचित इंतजाम किया गया था। परीक्षा केंद्रों पर पीने के पानी की व्यवस्था भी की गई थी। स्थानीय प्रशासनिक अधिकारियों और लोकल पुलिस अफसरों ने परीक्षा केंद्रों का निरीक्षण किया। महम में खेड़ी महम गांव में गोहाना रोड पर स्थित एचडी सीनियर सेकेंडरी स्कूल, सरस्वती विद्या मंदिर और श्री चैतन्य स्कूल में सीईटी के परीक्षा केंद्र बनाए गए थे। नकल रहित परीक्षा सम्पन्न करवाने के लिए इंटेलिजेंस एजेंसियों के अधिकारी भी सक्रिय नजर आए। पुलिस अधीक्षक भी परीक्षा केंद्रों की पल पल की अपडेट ले रहे थे। शहरवासियों को किसी तरह की कोई परेशानी न हो, इसके लिए परीक्षा केंद्र शहर से बाहर बनाए गए थे। रोडवेज महकमे के अधिकारी भी काफी मेहनत करते हुए नजर आए। अड्डा इंचार्ज कुलबीर मोर ने बताया कि दोनों ही दिन महम से बाहर जाने वाले विद्यार्थियों को परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के लिए रोडवेज की बसें भेजी गई।

महम। कस्बा महम के विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर परीक्षा देने आए अभ्यर्थियों की जांच करते हुए परीक्षा केंद्र का स्टाफ। फोटो : हरिभूमि

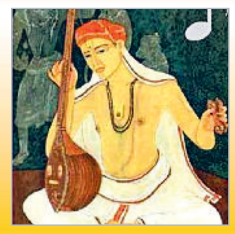

रागों के नाम पर गांव

हरियाणा में राग परंपरा, जिसे लोकगीतों के रूप में भी जाना जाता है, का एक समृद्ध इतिहास है। यहां तक कि कस्बों के नाम भी पारंपरिक रागों से लिए गए हैं। दादरी तहसील में कई बस्तियों के नाम प्रसिद्ध रागों से जुड़े हैं। इनमें नंदयम, सारंगपुर, बिलावाला, बृंदाबाना, टोडी, असावेरी, जयश्री, मलकोष्णा, हिंडोला, भैरवी और गोपी कल्याण आदि शामिल हैं। वहीं, जींद जिले में जय जय वंती, मालवी और अन्य संस्थाएं पाई जा सकती हैं।

प्रदेश की प्राचीन गायन परम्परा में शुमार हैं डेरू, रागनी, बारहमासा और आल्हा गीत

हरियाणा के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

कला-संस्कृति

प्रियंका सौरभ

हरियाणा प्रदेश की माटी में केवल अनाज ही नहीं उगता बल्कि लोकगीतों की मिठास और वीरता की कहानियां भी उपजती हैं। यहां के खेतों, चौपालों, मेलों और धार्मिक आयोजनों में आज भी जो स्वर गूंजते हैं, वे केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अस्मिता के संवाहक हैं। इन स्वरों में डेरु की गूंज है, रागनी का सवाल-जवाब है, बारहमासा की विरह-व्यथा है, और आल्हा की वीरता है।

डेरु : हरियाणा की सबसे प्राचीन और मौलिक गायन विधा मानी जाती है डेरू। यह एक छोटा-सा वाद्य यंत्र है, जो डमरू के समान होता है, परंतु इसका उपयोग केवल ताल देने में नहीं, बल्कि पूरी गायन शैली के रूप में होता है।

डेरु गायन में कलाकार एकल प्रस्तुति देता है। यह गायन मुख्यतः वीर गाथाओं, संत-महात्माओं की कहानियों या धार्मिक प्रसंगों पर आधारित होता है। वाद्य यंत्र के रूप में केवल डेरु और कभी-कभी ढोलक का उपयोग होता है। यह गायन प्रेरणा, श्रद्धा और जनजागरण का माध्यम होता है। लोकप्रिय डेरु गायकों में 'बल्ली सिंह बल', 'कंवर पाल डेरुवाले' जैसे नाम प्रसिद्ध रहे हैं। आज भी कई गांवों में बुजुर्ग लोग डेरु के माध्यम से रामायण, महाभारत, और लोक देवताओं की कहानियां गाते हैं।

बारहमासा : बारहमासा प्रदेश के लोकसाहित्य की वह भावनात्मक धारा है, जिसमें स्त्री के मन की पीड़ा, ऋतुओं का प्रभाव और प्रेम का रस गहराई से मिलता है। 'बारहमासा' शब्द का अर्थ ही है , बारह मासों में गाया गया गीत। नायिका की विरह-व्यथा ऋतु परिवर्तन के साथ गहराती जाती है। इसमें श्रृंगार, करुण, और शांत रस की प्रधानता होती है। फागुन में प्रेम की प्यास, जेठ में तपिश, सावन में मिलन की आशा, ये भाव पूरे गीत में बहते हैं। बारहमासा गीतों में प्राकृतिक और सामाजिक परिवेश का सुंदर चित्रण होता है। एक लोकप्रिय बारहमासा पंक्ति है :

फागण मास सुहावो लागे, पिया न आयो घर
मनवा मोरा रोवे, जैसे चातक निर्झर...

यह शैली आज भी लोकनाट्य, हरियाणवी फिल्मों और तीज-त्योहारों में जीवंत रूप में गाई जाती है।

आल्हा गीत : हरियाणा की धरती केवल भावनाओं की नहीं, वीरता की भी परिचायक है। यहां के लोकगीतों में तलवारें गूंजती हैं और ढालें टकराती हैं। आल्हा गायन उसी वीर परंपरा का हिस्सा है। आल्हा गीत मूलतः बुंदेलखंड की वीरगाथा परंपरा से उत्पन्न हुए। लेकिन समय के साथ ये गीत हरियाणा, पंजाब, पश्चिमी उत्तर प्रदेश तक फैल गए। हरियाणा में गांव के मेलों, अखाड़ों और युद्ध-कला प्रदर्शनों में ये गीत खूब गाए जाते हैं।

वीरता, बलिदान और साहस की कहानियां, विशेष रूप से आल्हा और ऊदल की, आल्हा गायन में सम्मिलित होती हैं। इसकी प्रस्तुति तेज लय और ऊर्जावान होती है। सामूहिक गायन में ढोलक, नगाड़ा और अन्य वाद्ययंत्रों के साथ यह प्रस्तुत किया जाता है। यह युवाओं में साहस और देशभक्ति का संचार करता है। कई आल्हा गायकों ने इसे आधुनिक मंचों तक पहुंचाया, लेकिन यह अब भी ग्रामीण हरियाणा की मूल पहचान बना हुआ है।

रागनी : हरियाणा की गायन परंपरा में अगर किसी शैली को सबसे अधिक जनप्रियता मिली है, तो वह है रागनी। यह केवल गीत नहीं, एक लोकनाट्य शैली है जिसमें प्रश्नोत्तर, तर्क, हास्य, और व्यंग्य शामिल होते हैं। रागनी में संवादात्मक शैली होती है, गायक दो भागों में बंटते हैं। एक सवाल पूछता है, दूसरा जवाब देता है। इसके विषय होते हैं सामाजिक विडंबनाएं, धर्म, नैतिकता, राजनीति, नारी सम्मान, शिक्षा आदि। इसकी प्रस्तुति मेलों, मंचों और प्रतियोगिताओं में होती है। रागनी में ढोलक, सारंगी, बैंजो आदि वाद्ययंत्रों का प्रयोग होता है। कुछ लोकप्रिय रागनियां हैं :

'धरती कहे पुकार के, बेटा मुझे बचा ले' और 'गांव की छोरी दिल्ली चली, शहर की चाल में फंस गई भली'। रागनी प्रतियोगिताएं हरियाणा में आज भी हज़ारों की भीड़ खींचती हैं। यह परंपरा समाज को आईना दिखाने का भी काम करती हैं। इन चारों गायन विधाओं को केवल मनोरंजन समझना भूल होगी। यह हरियाणा की सामूहिक चेतना, मूल्य-व्यवस्था और सामाजिक संवाद का सशक्त रूप हैं। जब एक किसान फसल की बुवाई करते हुए डेरु गाता है, जब एक युवती बारहमासा में पिया को याद करती है, जब अखाड़े में वीर आल्हा गूंजता है, या जब रागनी में व्यवस्था पर व्यंग्य किया जाता है, तब हरियाणा की आत्मा बोलती है। आज जब सोशल मीडिया और फिल्मों के शोर में लोक संस्कृति का स्वर दब रहा है, तब यह ज़रूरी है कि हम इन गायन शैलियों को बचाएं और बढ़ाएं। सरकार और सांस्कृतिक संस्थाओं को चाहिए कि वे ग्राम स्तर पर लोकगायन कार्यशालाएं शुरू करें, रागनी और डेरु प्रतियोगिताओं को राज्यस्तरीय पहचान दें, बारहमासा और आल्हा गायकों को मंच और सम्मान दें, और लोक कलाकारों को आर्थिक सहयोग प्रदान करें।

हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

> हरियाणा की गायन परंपराएं केवल बीते समय की गाथाएं नहीं हैं, वे आज भी जीवित हैं, खेतों में, चौपालों में, और हरियाणवी दिलों में। डेरु, बारहमासा, आल्हा और रागनी, ये चार स्तंभ हमारी लोक संस्कृति के प्रहरी हैं। इन्हें संजोकर रखना केवल कलाकारों की नहीं, हर हरियाणवी की जिम्मेदारी है।

कविता | राजपाल सिंह गुलिया

मोल माणसाँ का गिर ग्या

कील्याँ का के रेट बढ़या योह, मोल माणसाँ का गिर ग्या ।
समझणियाँ माणस तै भाई , इब चोगरदे तैं घिर ग्या ॥

भाण बोल्यी भाई तैं याह , आग्गे पार पड़ै कोन्या ।
अपणे हिस्से नै बता कौण सी, लेती भाण कड़ै कोन्या।
मनै लागै सै म्हारी खातिर, दो रोटी ईब हड़ै कोन्या ।
मैं तै नकटी हो आग्यी, दूजी हो त बड़ै कोन्या ।
तनै त्योहार पै आणा छोड़या, तूँ कती निस्तरग्या ।

सारे भाई कट्ठे होकै, खेवट नै पड़वावैं सै ।
काणी कूट बता कै देखो, प्र[illegible]ड का चाहैं सैं ।
रोज दूसरे लोग आण के, इननै न्यूँ बहकावैं सैं ।
एक करोड़ म्हँ दे तै बता, गाहक- भतेरे आवैं सैं ।
घासी का बाबू खेताँ का, कती पाटड़ा फेर कर ग्या ।

पढ़े -लिखे सैं ये छोरे पर, माणस कि पिछाण नहीं सै ।
बापू इसा बावला बण ज्या, जणू कती जाण नहीं सै ।
छोटे बड्डे कट्ठे पीवैं, किसै की किसै क काण नहीं सै ।
मंगलवार की टाल करैं बस, बाकी इनके आण नहीं सै ।
दारू प्या कै लहरी नै , चतरू कती धार पै धर ग्या ।

देख ल्यो थम खेताँ के ये , नित नए इब भा होग्ये ।
सभ अपणै- अपणै राजी सैं , न्यारे सबके राह होग्ये ।
खूड बेच कै आज देख ल्यो, घर गैल्याँ ये शाह होग्ये ।
राजपाल गुलिया कह बेचण, के न्यूँ सोच क चा होग्ये ।
किते डूम नाहीं गाँवेंगे, अक कमा-कमा कै धर ग्या ॥

कविता | रणबीर सिंह दहिया

मानस का धर्म

धर्म के सै माणस का मनै कोए बतादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

माणस तैं मत प्यार करो कौणसा धर्म सिखावै
सरे आम बलात्कार करो कौणसा धर्म सिखावै
रोजाना नर संहार करो कौणसा धर्म सिखावै
तम दारू का व्यापार करो कौणसा धर्म सिखावै
धर्म क्यों खून के प्यासे मनै कोए समझादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

ईसा राम और अलाह जिब एक बताये सारे रै
इनके चाह्वण आले बन्दे क्यूँ खार कसूती खारे रै
क्यों एक दूजे नै मारण नै एकेजी हाथां ठारे रै
अमीर देश हथियार बेच कै खूबै मौज उड़ारे रै
बैर करो मारो काटो लिखै वो ग्रन्थ भुलादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै।।

मानवता का तत कहैं सब धर्मां की जड़ में सै
कुदरत का प्रेम सारा सब धर्मां की लड़ मैं सै
कदे कदीमी प्रेम का रिश्ता माणस की धड़ मैं सै
कट्टरवाद नै घेर लिए यो हर धरम जकड़ मैं सै
लोगां तैं अरदास मेरी क्युकरै इनै छटवादयो नै।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए दिखादयो नै ।।

यो जहर तत्ववाद का सब धर्मों मैं फैला दिया
कट्टरवाद घोल प्याली मैं सब ताहिं पिला दिया
स्कीम बणा दंगे करे इंसान मासूम जला दिया
बड़ मानवता का आज सब धर्मों नै हिला दिया
रणबीर सिंह रोवै खड़्या इनै चुप करवादयो नै ।।
माणस मारो लिख्या कड़ै मनै कोए समझादयो नै ।।

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

तंत्र-मंत्र

अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं, वैज्ञानिक शिक्षा का अधिक प्रचार-प्रसार जरूरी

बदल रहा लोगों का दृष्टिकोण, अपना रहे वैज्ञानिक नजरिया

अंधविश्वास | राज कुमार नरवाल

जैसे-जैसे प्रदेश में शिक्षा का प्रचार-प्रसार बढ़ा है और लोग शिक्षित हुए हैं, तब से हरियाणा के लोगों का दृष्टिकोण बदला है। वे वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाने लगे हैं। बहुत से अंधविश्वास, जादू-टोने और तंत्र-मंत्र से वे बाहर निकल आए हैं। गांव-देहात में लोगों को तंत्र मंत्र, जादू टोने और अन्य कई तरह के अंधविश्वास का डर दिखाकर ठगा जाता था।

पढ़े-लिखे लोग अब जादू टोना और तंत्र मंत्र में विश्वास नहीं करते। लोग तार्किक हो गए हैं और चीजों का विश्लेषण करने लगे हैं। वे जल्द बहकावे में नहीं आते। एक जमाना ऐसा था जब लोगों को भूत-प्रेत का भय दिखाया जाता था। रात के समय श्मशान घाट के पास से गुजरते समय लोग डरते थे। हवेलियों और खंडहर मकानों में भूत प्रेत का वास होने की कहानियां सुनने को मिलती थी। यदि किसी व्यक्ति को मानसिक रोग हो जाता था तो उसको कहा जाता था कि इसमें भूत प्रवेश कर गया है। महिलाओं में भूत-प्रेत का साया होने के ज्यादा मामले सुनने को मिलते थे। किसी के घर में और किसी के खेत में भूत-प्रेत होने का डर दिखाकर तांत्रिकों द्वारा लोगों को लूटा जाता था। विभिन्न प्रकार के रोगों का इलाज दवाइयों की बजाए गंडा, ताबीज और भभूत (राख) से किया जाता था। अंधविश्वास के चलते लोगों का समय पर इलाज न होने की वजह से वे दम तोड़ देते थे। लोग अपनी बहू-बेटियों को लेकर कई कई दिन तक झाड़ फूंक के पास बैठे रहते थे। भूत प्रेत निकालने के लिए झाड़-फूंक, झाड़ा लगाने का काम करते थे। बुखार व दूसरी बीमारियां ठीक करवाने के लिए लोग झाड़ा लगवाते थे और मानते थे कि झाड़ा लगाने से रोक ठीक हो जाते थे।

डायन, डाकन, भूत, भूतनी, जिंद, जिंदणी, धौलकपड़िया, शाभा और न जाने कितने नामों का प्रयोग कर लोगों को डराया जाता था। कहीं पर पत्थर बरसाकर लोगों को डराया जाता था और कहा जाता था कि यह प्रेत आत्मा ऐसा कर रही है। किसी के घर में अचानक से आग लग जाती थी और उसके पीछे भी तंत्र मंत्र वाले लोग ही काम करते थे। लेकिन अब पहले जैसा हरियाणा नहीं रहा। लोगों की सोच अब बदल गई है। अब यह डरने डराने का दौर खत्म हो गया है। अब यहां के लोग पिछले कुछ दशकों में इन चीजों से बाहर निकले हैं। हालांकि इक्का-दुक्का जगहों से आज भी ऐसे मामले सामने आ जाते हैं। लेकिन जादू टोना और तंत्र-मंत्र से लोगों का विश्वास उठ गया है। अब अनपढ़ या कम पढ़े-लिखे लोग ही तांत्रिकों के चंगुल में फंसते हैं।

पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए प्रदेश के लोग बाबाओं के चक्र में फंसे हैं : डॉ. सुशीला धनखड़

अब भी हरियाणा के लोग पूरी तरह से वैज्ञानिक नहीं हुए हैं। यह बात सच है कि वे जादू टोना और तंत्र मंत्र से बाहर निकल आए हैं। लेकिन वे एक अंधविश्वास से निकलकर दूसरे अंधविश्वास में जाकर फंस गए हैं। मंदिरों में और बाबाओं के सत्संगों में पहले से ज्यादा भीड़ जुटने लगी है। शिक्षा के प्रचार प्रसार के बाद भी पूजा पाठ में कमी नहीं आई है, पूजा पाठ ज्यादा बढ़ा है। अब पहले से ज्यादा सत्संग होने लगे हैं। प्रवचन देने वाले बाबाओं की संख्या में इजाफा हुआ है। लोग अंधभक्त होकर सत्संग में जा रहे हैं। बाबाओं को भगवान मान रहे हैं। पढ़े लिखे लोग सत्संगी बाबाओं के पैर पूज रहे हैं। आज सभी गांवों में रोजाना जगह-जगह सत्संग हो रहे हैं। पहले गांवों में इतने सत्संग नहीं होते थे। यदि कोई बाबा जेल से पेशी पर आता है तो वहां पर अंधभक्तों का तांता लग जाता है। सत्संग में बाबा लोगों को मोह माया से दूर रहने का संदेश देते हैं और खुद लाखों रुपये लेकर सत्संग करने आते हैं। लोगों में वैज्ञानिक चेतना तो आई है, लेकिन लोग सत्संग से जुड़ रहे हैं, तो इसका मतलब हम पूरी तरह से अंधविश्वास से नहीं निकले हैं। धर्म का प्रचार प्रसार हो रहा है। पूजा पाठ बढ़ रहा है। मंदिरों में भीड़ बढ़ रही है। लेकिन सोचने वाली बात यह है कि इतने धार्मिक होने के बाद भी हमारे अंदर नैतिक मूल्य कम क्यों हो रहे हैं। वैल्यू घटना चिंता का विषय है। फिर धार्मिक होने का क्या फायदा हुआ। समाज में आपसी सहयोग की भावना कम हो रही है और भाईचारे की भावना में कमी आई है। समाज में गुटबाजी बढ़ रही है। लोग कन्यफ्यूज हो गए हैं। अब न तो वे पूरी तरह शहरी बन पा रहे हैं और न ही पूरी तरह ग्रामीण। असल में लोग अवसरवादी हो गए हैं। जिसका जिस तरह काम निकलता है, उसी तरह अपना काम निकाल लेते हैं।

डॉ.सुशीला धनखड़, पूर्व प्रोफेसर, समाज शास्त्र

अंधविश्वास के पीछे निजी स्वार्थ छिपा : वेद प्रिय

भिवानी के शिक्षाविद् वेद प्रिय ने बताया कि लोगों को अंधविश्वास से बाहर निकालने के लिए प्रदेश में कई संस्थाएं काम कर रही हैं। वे खुद हरियाणा विज्ञान मंच के उपप्रधान हैं और हरियाणा ज्ञान विज्ञान समिति के कार्यकारी सदस्य हैं। इसी तरह देश में तर्कशील आंदोलन चल रहा है। प्रतिशील संस्थाएं भी काम कर रही हैं। अंधविश्वास की घटना के बाद ये संगठन तुरंत संज्ञान लेते हैं। मौके पर जाकर अंधविश्वास की घटना की सच्चाई लोगों के सामने लाते हैं। वेद प्रिय का मानना है कि अंधविश्वास को पूरी तरह से खत्म नहीं किया जा सकता। क्योंकि कुछ लोगों के दिमाग की सोचने की प्रक्रिया धीमी होती है। उनका दिमाग पूरी तरह से चीजों का उस तरह से विश्लेषण नहीं कर पाता, जितना दूसरे लोगों का करता है। वह व्यक्ति ढंग से सोच नहीं पाता। हालांकि प्रदेश में अंधविश्वास के मामलों में कमी आई है। धीरे-धीरे लोग अंधविश्वास से बाहर निकल रहे हैं। प्रदेश सरकार और प्रशासनिक ढांचे ने अंधविश्वास फैलाने वालों पर शिकंजा कसा है। अब अंधविश्वास फैलाने से लोग डरते हैं, कहीं कानूनी कार्रवाई न हो जाए। यही वजह है कि अब उतनी घटनाएं नहीं होती, जितनी पहले होती थी। अंधविश्वास के पीछे व्यापार अथवा निजी स्वार्थ छिपा होता है। ऐसे लोग अनपढ़ अथवा कम पढ़े लिखे लोगों को अपना निशाना बनाते हैं। यदि अंधविश्वास से नई पीढ़ी को बचाना है तो उनको अच्छी शिक्षा देनी होगी। सही मायने में उनको वैज्ञानिक पढ़ाई-लिखाई सिखाने की जरूरत है।

वेद प्रिय, उपप्रधान हरियाणा ज्ञान विज्ञान मंच

विश्व पटल पर भारतीय रंगमंच को स्थापित कर गये रतन

श्रद्धांजलि | ओंकारेश्वर पांडेय

रतन थियम चले गए। दादा 23 जुलाई, 2025 को गए। मणिपुर रो रहा है। शांति की बात उन्होंने की। उनका रंगमंच चमका। वे कहते थे - "रंगमंच हमारी आत्मा है।" रचनात्मकता के हथियारों से युद्ध के खिलाफ युद्ध लड़ने वाला योद्धा नहीं रहा। अशांत मणिपुर को शांति का संदेश देते देते खामोश हो गये रतन थियम। वे भारतीय रंगमंच के एक विशाल पर्वत थे। उन्होंने मणिपुरी परंपराओं को विश्व के साथ जोड़ा। उनकी रचनाएं—महाभारत त्रयी (उरुभंगम, चक्रव्यूह, कर्णभरम) और लैरेंबीगी ईशेई—युद्ध, पहचान और शांति पर गहरी सोच रखती थीं। मणिपुर के मैतेई-कुकी झगड़े से वे दुखी थे और शांति की आवाज़ बने। रतन एक रंगकर्मी या निर्देशक भर नहीं, वह रंग वैज्ञानिक थे, जिसने मणिपुर की आत्मा को वैश्विक कैनवास पर उकेरा। उनकी कला आज भी एकता की मिसाल है। उनका जाना भारत और दुनिया को झकझोर रहा है। रतन थियाम, वह दूरदर्शी नाटककार, निर्देशक और सांस्कृतिक दीपक, जिन्होंने 77 वर्ष की आयु में इम्फाल के रिम्स अस्पताल में अंतिम प्रणाम लिया। उनका निधन केवल भारतीय रंगमंच के लिए ही नहीं, अपितु वैश्विक मंच के लिए भी एक युग का अंत है, जहां उनके कार्य ने सीमाओं, भाषाओं और संस्कृतियों को लाँघकर मानव आत्मा की सार्वभौमिक पुकार को स्वर दिया। उन्हें केवल रंग कलाकार या निर्देशक कहना उनके अपार प्रतिभा को कमतर आंकना होगा; मैं कहूंगा कि वे एक रंग वैज्ञानिक थे, एक ऐसे महान रसायनज्ञ, जिन्होंने प्राचीन और समकालीन, स्थानीय और सार्वभौमिक, आध्यात्मिक और राजनैतिक तत्वों को सानंदित कर रंगमंच को एक अनुपम प्रयोगशाला बनाया। उनका मंच वह पवित्र स्थल था, जहाँ मणिपुर की परंपराएं, वैश्विक सौंदर्यबोध और मानवीय अनुभवों का कच्चा स्पंदन एक अनुपम सत्य और सौंदर्य के रूप में सानंदित हुआ।

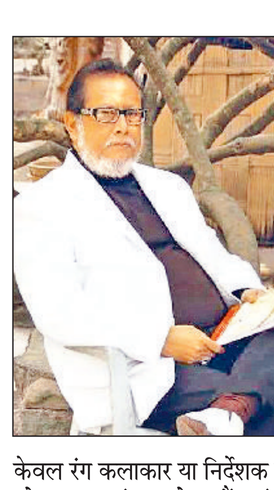

20 जनवरी, 1948 को मणिपुर के इम्फाल में जन्मे रतन थियाम एक बहुमुखी प्रतिभा के धनी थे, जिनकी रचनात्मक यात्रा चित्रकला और लेखन से प्रारंभ होकर रंगमंच में अपनी पराकाष्ठा तक पहुंची। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय (एनएसडी) से 1974 में स्नातक होने के पश्चात, उन्होंने 1976 में इम्फाल के निकट कोरस रिपर्टरी थिएटर की स्थापना की, जो मणिपुर की संनादित संस्कृति और विश्व के साथ संवाद का एक पवित्र मंदिर बन गया। उनकी रंगमंचीय प्रस्तुतियां केवल नाटक नहीं थीं, अपितु युद्ध, पहचान और मानवता की अनंत खोज पर गहन चिंतन थीं।

उनके पुरस्कार संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987), पद्म श्री (1989), कालिदास सम्मान (1997), संगीत नाटक अकादमी फेलोशिप (2012), और मणिपुर का लाइफटाइम अचीवमेंट अवार्ड (2025), उनकी उस विरासत के केवल मामूली पुष्टिकरण थे, जिसे मापना असंभव है।

रंगमंच वैज्ञानिक की विरासत का संरक्षण

रतन थियम का निधन एक शून्य छोड़ गया है, किंतु उनकी विरासत को मलिन नहीं होने देना चाहिए। इम्फाल में उनका कोरस रिपर्टरी थिएटर, एक सांस्कृतिक दीपस्तंभ, को उनके कार्य का जीवंत संग्रहालय बनाकर समर्थन देना चाहिए, जो भविष्य के कलाकारों को उनके अंतर्विषयी दृष्टिकोण में प्रशिक्षित करे। जैसा कि थियम ने जनवरी 2025 में निंगथम खुमहेई शुमंग लीला उत्सव में वकालत की थी, मणिपुर में एक विश्वस्तरीय सांस्कृतिक परिसर की स्थापना राज्य की कलात्मक विरासत को पोषित करने के लिए आवश्यक है। उनके स्क्रिप्ट्स, रिकॉर्डिंग्स और प्रस्तुति नोट्स को डिजिटाइज कर विश्व भर के विद्वानों और अभ्यासियों के लिए सुलभ करना चाहिए, ताकि चक्रव्यूह और उत्तर प्रियदर्शी जैसे कार्य प्रेरणा देते रहें। शैक्षिक संस्थानों, विशेष रूप से एनएसडी, जहाँ थियम ने निदेशक (1987–88) और अध्यक्ष (2013–17) के रूप में सेवा दी, को उनकी पद्धतियों को पाठ्यक्रम में समाहित करना चाहिए, जो पारंपरिक और समकालीन रूपों के संनादन पर बल देता हो। भारत रंग महोत्सव जैसे उत्सवों, जहाँ थियम के नाटकों को सराहा गया, को उनके कार्यों के लिए रेट्रोस्पेक्टिव समर्पित करने चाहिए, जो स्थानीय और वैश्विक दर्शकों से संवाद करने की उनकी क्षमता को प्रदर्शित करें। इसके अतिरिक्त, उनकी एकता की पुकार "विविध सांस्कृतिक अभिव्यक्तियों में एकता का सार ही एकता ला सकता है" को मणिपुर के जातीय विभाजनों को कला के माध्यम से जोड़ने के प्रयासों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

थियम की स्थानीय और सार्वभौमिक को मिश्रित करने की क्षमता जापान के तदाशी सुजुकी के कार्य के समान थी, जिनके सुजुकी मेथड ने शारीरिकता और सांस्कृतिक स्मृति पर जोर दिया, ठीक वैसे ही जैसे थियाम ने थांग-टा और मैतेई रीति-रिवाजों का उपयोग किया।

खबर संक्षेप

सुभाष नगर में तीज महोत्सव का आयोजन

रोहतक। सुभाष नगर के पार्क में रविवार को तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका संचालन एसएनजन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता संस्था के प्रधान जतिन बत्रा ने की। यह तीज मेला परंपरा, संस्कृति और सामुदायिक एकता का अद्भुत संगम बनकर उभरा, जिसमें क्षेत्र की महिलाओं, बच्चों और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस रंगारंग मेले में डीजे के साथ-साथ ढोल भी बजाए गए,जहां पर बच्चों का डांस, तंबोला, मेहंदी, झूले,स्टॉल, स्वादिष्ट व्यंजन, बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ।

प्राण प्रतिष्ठा को लेकर निकली कलश यात्रा

रोहतक। सर्कुलर रोड स्थित डेरा बाबा बालकपुरी धाम में आगामी 1 अगस्त को माता बगलामुखी प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा विधि विधान से की जाएगी। प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा से चार दिन पूर्व रविवार को बालकपुरी धाम से विशाल कलश यात्रा निकाली गई। जिसमें 108 महिलाओं ने भाग लिया। स्वामी करण पुरी महाराज ने बताया कि आज कलश यात्रा के उपरांत डेरा प्रांगण में सात ब्राह्मणों द्वारा पूजा अर्चना शुरू कर दी गई है। प्रतिमा की स्थापना से पूर्व माता बगलामुखी को फल घी छोले की दाल अनाज से स्नान कराया जाएगा।

घरों से परीक्षा केंद्र तक लाए गए दिव्यांग अभ्यर्थी, पहली बार हुआ ऐसा प्रयास

सीएम की सकारात्मक सोच से दिव्यांग अभ्यर्थियों को मिली बेहतर सुविधा

- सूची तैयार कर दिव्यांगजनों से किया गया संपर्क
- दिव्यांगजनों को परीक्षा के दौरान नहीं होने दी गई परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक सकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना व उन्हें जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनके स्वभाव में शामिल है।

यह बातें रोहतक के उन दिव्यांगजनों ने व्यवस्थाओं से प्रभावित होकर कहीं है, जो हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग (एचएसएससी) द्वारा दूसरे दिन सामान्य पात्रता परीक्षा (सीईटी) देने के लिए विभिन्न परीक्षा केंद्रों पर पहुंचे थे। इन दिव्यांगजनों ने एक स्वर में कहा कि सरकार व प्रशासन द्वारा दिव्यांगजनों के लिए की गई बेहतर व्यवस्था उन्हें जीवन भर याद रहेगी। रोहतक के महम उपमंडल से स्थानीय छोटू राम पॉलिटेक्निक कॉलेज परीक्षा केंद्र में परीक्षा देने आए महम के दिव्यांग अभ्यर्थी, जिसका नाम विद्यार्थी है, ने कहा कि यह दिव्यांग वर्ग के लिए बेहद हर्ष का विषय है कि प्रदेश का मुखिया अन्य वर्गों के साथ-साथ हमारे बारे में भी सोचता है। इस दिव्यांग ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार व हरियाणा कर्मचारी चयन आयोग ने दिव्यांगजनों को उन्हीं के जिला में परीक्षा केंद्र देकर ऐतिहासिक कार्य किया है। इतना ही नहीं प्रशासनिक वाहनों से उन्हें उनके घरों से लाया गया। परीक्षा केंद्र पर व्हीलचेयर उपलब्ध करवाई गई और इसी तरह से उन्हें वापस सुरक्षित घर भेजा गया। ऑल इंडिया जाट हीरोज मेमोरियल कॉलेज परीक्षा केंद्र में पहुंचे स्थानीय प्रेम नगर चौक निवासी महेश सैनी ने कहा कि इस तरह की पहल व प्रयास पहले कभी नहीं हुए। अभ्यर्थियों को आने जाने के लिए निशुल्क बस सुविधा उपलब्ध करवाई गई।

भारतीय कन्या विद्यालय परीक्षा केंद्र में आई दिव्यांग गांव घिलौड़ कला निवासी आरती ने भी सरकार की सुविधा को लेकर अपनी खुशी का इजहार किया और मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी का आभार भी प्रकट किया। ऑल इंडिया जाट हीरोज मेमोरियल कॉलेज के परीक्षा केंद्र में पहुंचे दिव्यांग गौरव मालिक व विशाल राठी भी परीक्षा के लिए उपलब्ध करवाई गई व्यवस्था को लेकर पूर्ण रूप से संतुष्ट नजर आए। इसी प्रकार से गांव चांदी निवासी दिव्यांग काजल ने भी व्यवस्थाओं को लेकर प्रशासन व सरकार की सराहना की। और कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी एक सकारात्मक सोच के व्यक्ति हैं। समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर चलना व उन्हें जरूरी सुविधाएं उपलब्ध करवाना उनके स्वभाव में शामिल है।

रोहतक। दिव्यांगों को परीक्षा केंद्र तक ले जाते वालंटियर। **फोटो : हरिभूमि**

सीईटी परीक्षा में मुख्यमंत्री सैनी के आदेशानुसार दिव्यांगजनों के लिए की गई विशेष व्यवस्था : डीसी

उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने दिव्यांगजनों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की थी। उन्होंने बताया कि बाकायदा जिला के दिव्यांग अभ्यर्थियों की सूची तैयार की गई थी। इस कार्य हेतु नोडल अधिकारी भी नियुक्त किए गए थे। सभी दिव्यांग अभ्यर्थियों से संपर्क किया गया। परीक्षा केंद्र तक आने के लिए उनकी जरूरत को भी पूछा गया। उसी के मुताबिक वाहन उपलब्ध करवाकर उन्हें न केवल समयबद्ध तरीके से परीक्षा केंद्र पहुंचाया गया, बल्कि इसी प्रकार से वापस उनके घर भी भेजा गया। धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि जिन परीक्षा केंद्रों में दिव्यांगजनों को आना था, उन सभी में जिला रेडक्रॉस सोसाइटी की ओर से व्हीलचेयर उपलब्ध करवाई गई थी। पर्याप्त संख्या में परीक्षा केंद्र के बाहर वालंटियर मौजूद थे ताकि किसी भी दिव्यांग को किसी भी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े।

पीएम के मन की बात आत्मसात करके 'एक पेड़ मां के नाम' के तहत रोपे पौधे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124वें संस्करण के शुभ अवसर पर कलानौर हलके के गांव लाहली में दा सेंट्रल कोऑपरेटिव बैंक लिमिटेड, रोहतक के चेयरमैन हरीश कौशिक द्वारा एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रमानुसार मां के सम्मान में त्रिवेणी सहित 124 पौधे रोपित किए गए। विशेष रूप से चेयरमैन हरीश कौशिक की मां परमेश्वरी देवी द्वारा भी पौधा रोपण किया गया। चेयरमैन कौशिक ने कहा कि गांव में सैकड़ो लोगों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124वें संस्करण को ध्यान से सुनते हुए उनके द्वारा किए गए मार्गदर्शन को ग्रहण किया और पार्टी संगठन के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। उन्होंने बताया कि मन की बात कार्यक्रम सुनने के उपरांत एक पेड़ मां के नाम पौधरोपण कार्यक्रम चलाया गया। पौधरोपण कार्यक्रम में सैकड़ो व्यक्ति शामिल हुए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 124वें संस्करण की प्रेरणा स्वरूप त्रिवेणी सहित 124 पौधे लगाए। इस मौके पर भाजपा की प्रदेश सचिव रेणु डाबला, जिला सचिव एवं सरपंच कश्मीरी देवी, कलानौर ब्लाक समिति चेयरमैन नीरज यादव, जिला उपाध्यक्ष एवं सरपंच चुन्नी लाल, सरपंच भगवत दयाल, आनंद शर्मा, सुशील परमार, पूर्व महाप्रबंधक वेद प्रकाश, ब्लाक समिति मेंबर नीरज आदि मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने कई गांवों में चलाया पौधरोपण अभियान

महम। सैमाण मंडल के एक गांव में पौधारोपण करते भाजपा कार्यकर्ता।

- पौधों में कुछ पोधे अर्जुन, अमरूद, जामुन, शीशम, नीम, पीपल, बरगद, सफेदा, पापडी व सरस के लगाए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

भारतीय जनता पार्टी कार्यकर्ताओं द्वारा महम हलके के सैमाण मंडल के कई गांवों में पौधारोपण अभियान चलाया। इस दौरान उन्होंने एक पौधा मां के नाम अभियान के तहत पौधे रोपित किए। सैमाण मंडल के महामंत्री डॉ. राजेश आर्य ने बताया कि ये पौधे सैमाण मंडल के पदाधिकारियों के द्वारा लगाए गए। पौधरोपण शिवानन्द चैरिटेबल अस्पताल और दादी सती मंदिर खेड़ी महम, विश्वकर्मा मंदिर महम व निंदाणा के जलघर में किया गया। राजेश आर्य ने बताया कि सैमाण मंडल में दस गांव आते हैं, बाकि सभी गांवों में भी ये पोधै लगाए जाएंगे। इन पोधौ में कुछ पोधै अर्जुन, अमरूद, जामुन, शीशम, नीम, पीपल, बरगद, सफेदा, पापडी व सरस के लगाए गए। इनके अलावा कुछ फूलों के पौधे व तुलसी आदि के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर मंडल संयोजक मीना वाल्मीकि, मंडल अध्यक्ष मनोज पहलवान, महामंत्री बारु राम सैमाण, कोषाध्यक्ष मंदीप साहरण, उपाध्यक्ष नरेंद्र निंदाणा, डॉ. कृष्ण कुमार लांबा, रक्षक व प्रवीण समेत कई ग्रामीण मौजूद थे।

महम। विजेता खिलाड़ियों को पुरस्कृत करते हुए खेलों के आयोजक।

हैंडबॉल चैंपियनशिप में हरियाणा की टीम ने मारी बाजी

महम। गांव फरमाणा गांव में सिक्स ए साइड हैंडबॉल फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा प्रथम हैंड बॉल नेशनल चैंपियनशिप आयोजित की गई। कोच रामनिवास चोपड़ा ने बताया कि यह चैंपियनशिप अंडर 17 आयु वर्ग के लिए आयोजित की गई थी। खेलों का शुभारंभ अंकुश कुमार और ऋतु सैनी ने किया। इन खेलों में 12 राज्यों की टीमों ने भाग लिया। इसमें हरियाणा की लड़कियां और लड़कों की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। लड़कों की गुजरात की टीम ने दूसरा और तेलंगाना की टीम ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। लड़कियों में आंध्र प्रदेश की टीम ने दूसरा स्थान और पांडुचेरी ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। खेलों के आयोजन में स्टेज संचालन का कार्य पवन राठी ने किया। रामनिवास चोपड़ा ने बताया इस प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि फेडरेशन के प्रेसिडेंट मारुति हजारे और जनरल सेक्रेटरी योगेश रहे। इस अवसर पर विभिन्न राज्यों के प्रशिक्षक और खिलाड़ी मौजूद थे।

एमडीयू के छात्रों ने किया बनियानी गांव के ग्रामीण प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र का शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ पब्लिक हेल्थ साइंसेज के बैचलर इन पब्लिक हेल्थ साइंसेज द्वितीय वर्ष के विद्यार्थियों ने जिले के बनियानी गांव स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (पीएचसी) का शैक्षणिक भ्रमण किया। डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज, हरियाणा के दिशा-निर्देशानुसार ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं और स्वास्थ्य समस्याओं बारे फील्ड वर्क को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से इस शैक्षणिक विजिट का आयोजन किया गया।

यूआईपीएचएस के निदेशक प्रो. मुनीष गर्ग ने बताया कि इस शैक्षणिक विजिट का उद्देश्य विद्यार्थियों को ग्रामीण स्वास्थ्य सेवाओं की बुनियादी संरचना की व्यावहारिक जानकारी देना तथा प्राथमिक स्तर पर कार्यरत स्वास्थ्य कर्मियों से प्रत्यक्ष संवाद कराना था। छात्रों ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र की विभिन्न इकाइयों जैसे ओपीडी, टीकाकरण कक्ष, प्रसव कक्ष, औषधालय व नैदानिक प्रयोगशाला का अवलोकन किया। उन्होंने बताया कि डायरेक्टर जनरल हेल्थ सर्विसेज, हरियाणा के दिशा-निर्देशानुसार एमडीयू द्वारा गोद लिए गांवों-बनियानी, माड़ौदी रांगरान, माड़ौदी जाटान, भाली तथा भल्लंब इत्यादि गांवों में यह फील्ड वर्क आयोजित किया जाएगा। बनियानी गांव के ग्रामीण स्वास्थ्य केन्द्र में मेडिकल ऑफिसर डॉ. सचिन, एमपीएचडब्लू आजाद सिंह, सीनियर लैब टेक्नीशियन विकास, नर्सिंग स्टाफ तथा आशा वर्कर ने विद्यार्थियों को पीएचसी की कार्यप्रणाली तथा गांव की जनसंख्या, स्वास्थ्य समस्याओं समेत अन्य जरूरी पहलुओं बारे व्यावहारिक जानकारी दी।

शिवाजी कॉलोनी में किया पौधरोपण

रोहतक। स्वामी परमानन्द धर्मार्थ ट्रस्ट के तत्वावधान में हरियाली तीज के पावन अवसर पर शास्त्री नगर स्थित लवानियां भवन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन ट्रस्ट के चेयरमैन पं. विजय कुमार बृजवासी के सान्निध्य में एवं भाजपा जिला सह-मीडिया प्रभारी पं. लोकेश शर्मा की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व पार्षद नीलम पांचाल विशिष्ट अतिथि रहे, जबकि मुख्य अतिथि के रूप में भाजपा की पूर्व प्रत्याशी (कलानौर) रेणु डाबला उपस्थित रहीं। इस अवसर पर अमरुद का पौधा रोपित कर पं. लोकेश शर्मा को मां के नाम पर गोद दिया गया। सभी अतिथियों एवं उपस्थितजनों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की मन की बात के 124वें संस्करण का सामूहिक श्रवण भी किया। मुख्य अतिथि रेणु डाबला ने कहा कि यह अभियान मातृत्व और पर्यावरण दोनों के प्रति सम्मान की प्रेरणा देता है। पेड़ लगाना आज की सबसे बड़ी सेवा है। पं. विजय कुमार बृजवासी ने कहा, श्रावण मास और हरियाली तीज केवल पर्व नहीं, बल्कि प्रकृति पूजन का अवसर हैं।

मां के चरणों में समर्पित हरित श्रद्धांजलि: एक पौधा मां के नाम लगाया

रोहतक। धरती के आंचल को हरियाली से संवारने का संकल्प अब जन आंदोलन का रूप ले रहा है। भारत विकास परिषद् सेक्टर शाखा द्वारा संचालित "एक पौधा मां के नाम" राष्ट्रीय अभियान ने पर्यावरण चेतना को नई दिशा दी है। यह पहल केवल पौधारोपण नहीं, बल्कि अपनी जड़ों, अपनी परंपरा और प्रकृति के प्रति कृतज्ञता का जीवंत प्रतीक बन गई है। शाखा अध्यक्ष रमेश अहलावत शाखा के पर्यावरण संयोजक एम.एल. अरोड़ा, तथा सचिव तरुण गुप्ता के प्रेरक प्रयासों से तीज पर्व की पूर्व संध्या के पावन अवसर पर जीएम इंटर अर्बन होटल के महाप्रबंधक रवि पाराशर ने अपनी माता पुष्पा देवी को नमन करते हुए सिटी पार्क की पावन धरा पर त्रिवेणी, छायादार, फलदार व तुलसी के पौधे रोपित किए। उनकी आयु के अनुरूप 68 पौधों का रोपण एवं वितरण कर यह संदेश दिया गया कि जीवन के प्रत्येक वर्ष को हरियाली और पुण्य के प्रतीक के रूप में संजोया जा सकता है। इस पर्यावरणीय यज्ञ में शाखा के संस्कार संयोजक कृष्ण लाल गिरधर, अशोक मल्होत्रा, महिला संयोजिका वीणा फोगाट आदि मौजूद रहे।

मन की बात जैसे कार्यक्रमों से प्रेरणा लेकर आगे बढ़े समाज: अशोक कुमार रंगा

गांव बल्लम में रही प्रधानमंत्री मोदी की मन की बात कार्यक्रम की गूंज, टीवी पर चिपके रहे भाजपा कार्यकर्ता

रोहतक। पीएम नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनते भाजपा कार्यकर्ता। **फोटो : हरिभूमि**

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

कलानौर विधानसभा के गांव बल्लम में उत्साह और समर्पण के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का मासिक रेडियो कार्यक्रम मन की बात सामूहिक रूप से सुना गया। जिसमें सैकड़ों ग्रामीणों ने सक्रिय भागीदारी निभाई। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता व परिवेदना समिति के गैर सरकारी सदस्य डॉ. अशोक कुमार रंगा विशेष रूप से उपस्थित रहे। उनके साथ बल्लम की सरपंच सुनीता आर्य, सरपंच प्रतिनिधि सोमबीर, और कई अन्य स्थानीय गणमान्य नागरिकों ने भी कार्यक्रम को सुना और आत्मसात किया। प्रधानमंत्री मोदी ने इस माह के 'मन की बात' में देश की प्राचीन विरासत, युवा नवाचार, महिला सशक्तिकरण तथा एक भारत, श्रेष्ठ भारत की भावना को बल देते हुए प्रेरणादायक प्रसंग साझा किए। उन्होंने ग्रामीणों की भागीदारी, आत्मनिर्भरता और पंचायतों की भूमिका पर भी प्रकाश डाला। डॉ. अशोक कुमार रंगा ने कहा कि प्रधानमंत्री का यह संवाद कार्यक्रम न केवल जन-संवाद का माध्यम है, बल्कि यह देशवासियों को राष्ट्रीय चेतना और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने वाला प्रशंसनीय प्रयास है। उन्होंने युवाओं से आग्रह किया कि वे मन की बात जैसे कार्यक्रमों से प्रेरणा लेकर समाज निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें। कार्यक्रम के अंत में उपस्थित ग्रामीणों ने एक स्वर में प्रधानमंत्री मोदी के विचारों का समर्थन करते हुए उनके नेतृत्व में देश को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया तथा प्रांगण में एक पेड़ मां के नाम पर पौधारोपण भी किया। इस मौके पर सुनीता सरपंच, सुरेन्द्र सरपंच, नीरज सरपंच, नवीन सरपंच, सोमबीर, कविता, नरेंद्र प्रजापत, पवन, विनोद सदस्य, नीरज, मनीष, सतीश, श्रीओम, सुबोध, दिनेश, वत्सपाल, जोगिंदर, सुरेंद्र, सतीश, विशाल नीरज, प्रवीण, सतवीर फौजी, सविता, आशा, कविता, सविता, प्रमिला, रामकली, ओमी, रामफल, निखिल, शुभम, एडडी सुमित, कुलदीप आदि मौजूद रहे।

महम। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम को सुनते भाजपा कार्यकर्ता। **फोटो : हरिभूमि**

भाजपा कार्यकर्ताओं ने महम के बूथ 82 पर सुना प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम

महम। रविवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने महम में बूथ नंबर 82 पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के मन की बातें सुनी। मन की बात कार्यक्रम महम के तहत यह प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात का 124 वां एपिसोड था। यह प्रोग्राम नगरपालिका महम के बूथ नंबर 82 के अंतर्गत नगरपालिका वाइस चेयरमैन बसन्त लाल गिरधर की अध्यक्षता में उनके निवास स्थान पर आयोजित किया गया। इस दौरान सभी भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के ओजस्वी विचार सुने। इस अवसर पर बसन्त लाल गिरधर, राजेश ढींगड़ा, राकेश शर्मा, रमेश ठकराल, रमेश बत्रा, कालू नारंग, सचिन रल्हन, हरीश, खैराती लाल, कन्हैया, महेंद्र, राजकुमार फौजी, बलदेव ढुरेजा, बंटी शर्मा, सुरेंद्र रल्हन व अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
- RMO 4
- ICU STAFF 6
- NURSING STAFF 4
- PRO/MARKETING EXECUTIVE 2
- COMPUTER OPERATOR 1

नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

RADHA SWAMI NURSING COLLEGE
(Recognised/Affiliated by Haryana Govt/HN&NMC/INC)
Approved by NIILM University
VPO Kharkara, Distt. Rohtak M. 9812072127
Admission & Guidance (Session 2025-26)
हरियाणा सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त कोर्स करने के लिए संपर्क करें

Course	Duration	Eligibility
GNM (Nursing Officer)	3 Years	12th Any Stream

UNIVERSITY COURSE
X-Ray Technician | Physiotherapy | Fire Safety & Technician
Radiology & Imaging Technology | Medical Laboratory Technician
And many others Diploma/B.SC/M.SC Degree Course offered by University.
Rohtak Off.: Radha Swami Medical Institute
Shastri Nagar Hisar Road Bye Pass, Rohtak M. 9812072127

185, Huda Complex, Near ZAD Global School, Rohtak
M. 7404288876, 7419488930
HARTRON SKILL CENTRE
NCVET Recognised
हारट्रोन से जुड़ने का सही समय यही है
Hartron Courses Are Aligned With NSQF
हारट्रोन से कंप्यूटर कोर्स करने के बाद SETC (Part-1) से छुट प्राप्त है
Website : www.hartron-rohtak.com

SHRI BALAJI INSTITUTE OF PARA MEDICAL SCIENCE
AUTHORIZED ADMISSION CENTRE OF MAA KAAMAL FOUNDATION
DR. S.K. SAINI Director
पिछले 25 वर्षों से लगातार जनसेवा में कार्यरत संस्थान।
फीस में 50% की विशेष छूट सभी के लिए सीमित समय के लिए
पहले आयें-पहले पायें। छात्रावास सुविधा। रविवार खुला है
DIPLOMA IN G.N.M. (MALE/FEMALE)
योग्यता :- 12th (किसी भी विषय में)
अवधि :- $3\frac{1}{2}$ वर्ष | कुल सीटें :- 60
नियमित कक्षायें ऑनलाईन व ऑफ लाईन दोनों मोड में।
आजही अपने प्रमाण पत्रों के साथ आकर मिलें।
अतिशिघ्र आवश्यकता है:-
• G.N.M. -20
• MEDICAL LAB. TECH.-20
जो थ्योरी व प्रेक्टिकल दोनों करवा सके।
Dr. S.K. Saini (Director)
41/29, चाणक्य पुरी, शीला सिनेमा के पीछे, रोहतक-124001
9254233221

खबर संक्षेप

यूआईईटी को प्राप्त हुआ एफडीपी

रोहतक। महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय के यूनिवर्सिटी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी (यूआईईटी) को एआईसीटीई अटल एकेडमी द्वारा सत्र 2025-2026 के लिए फैकल्टी डेवलपमेंट प्रोग्राम प्राप्त हुआ है। यूआईईटी निदेशक प्रो. युद्धवीर सिंह के मार्गदर्शन में यूआईईटी के प्राध्यापक डॉ. नेहा खुराना और डॉ. विपिन को एआईसीटीई ने इस एफडीपी को करवाने के लिए स्वीकृत किया है। डॉ. नेहा खुराना और डॉ. विपिन इस एफडीपी के कोऑर्डिनेटर हैं। उन्होंने बताया कि एआईसीटीई द्वारा सत्र 2025-2026 में-सुपरकंप्यूटिंग पर यह एफडीपी यूआईईटी को प्राप्त हुआ है।

पीलिया व काला पीलिया की जागृति फैलाने के लिए मनाया विश्व हेपेटाइटिस डे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हर वर्ष 28 जुलाई को पीलिया व काला पीलिया की जागृति फैलाने के लिए विश्व हेपेटाइटिस डे मनाया जाता है और इस वर्ष की थीम है लेट्स ब्रेक इट डाउन अर्थात पीलिया व काले पीलिया को जड़ से मिटाना। पीजीआई के गस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभागाध्यक्ष डॉ. प्रवीण मल्होत्रा एवं इंचार्ज नोडल ट्रीटमेंट सेंटर पीजीआईएमएस रोहतक ने बताया कि पिछले 12 वर्षों से उनके विभाग में पीलिया व काला पीलिया का इलाज निःशुल्क, प्रतिदिन, बगैर किसी वेटिंग के तहत सारे टेस्ट एंडोस्कोपी, कोलोनोस्कोपी, फाइब्रोस्कैन तथा दवाइयां निःशुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं और इसके लिए बीस सदस्यीय टीम काम कर रही है।

इन्हीं प्रयासों का नतीजा है कि अब तक 26 हजार हेपेटाइटिस सी एवं 12 हजार हेपेटाइटिस बी के मरीज उनके विभाग में पंजीकृत हो चुके हैं और इलाज के उपरांत सामान्य जीवन व्यतीत कर रहे हैं। पीजीआईएमएस का गस्ट्रोएंट्रोलॉजी विभाग, देश के उन चुनिंदा संस्थानों में है जहां प्रतिदिन काले पीलिया के 70-80 मरीजों का इलाज किया जाता है और उन्होंने हजारों मरीजों अध्ययन से कई महत्वपूर्ण रिसर्च को भी अंजाम दिया गया है। कुलपति डॉ. एचके अग्रवाल व निदेशक डॉ. एसके सिंघल ने कहा कि यह बड़े ही गर्व का विषय है कि पीजीआईएमएस काले पीलिया का नोडल ट्रीटमेंट सेंटर है।

डॉ. प्रवीण मलहोत्रा ने कहा कि स्त्री रोग विभाग की अध्यक्ष डॉ पुष्पा दहिया और प्रो. डॉ. वाणी मल्होत्रा एवं नोडल अधिकारी द्वारा 500 काले पीलिया के गर्भवती महिलाओं मे जरूरत अनुसार इलाज तथा हर नवजात को हेपेटाइटिस बी की इम्युनोग्लोबिन तथा हेपेटाइटिस बी वैक्सीन के लगाने से नवजात को हेपेटाइटिस बी से पूर्ण सुरक्षित करने में सफलता प्राप्त की। कम्युनिटी मेडिसिन विभाग के प्रो. डॉ. वरूण अरोड़ा के सहयोग से पीजीआईएमएस रोहतक ने लगभग 8 हजार हेल्थकेयर वर्कर्स को हेपेटाइटिस बी की निशुल्क तीन खुराक लगाई जा रही हैं और इसके लिए 24 हजार खुराक पीजीआईएमएस को मिल चुकी हैं।

यूं फैलता है काला पीलिया

डॉ.प्रवीण मल्होत्रा ने बताया कि काला पीलिया खून के संक्रमण से फैलता है और इससे बचने के लिए नशे के टीके ना लगाएं, इंजेक्शन के वक्त नई सुंई का ही प्रयोग करवाएं, सुरक्षित यौन संबंध का ध्यान रखें, नाई की दुकान पर नए ब्लेड का प्रयोग करवाएं, गर्भावस्था में काले पीलिया की जांच अवश्य कराएं और जिन मरीजों को भी काला पीलिया मिलता है वें अपना निशुल्क इलाज हरियाणा के किसी भी सरकारी अस्पताल, मेडिकल कॉलेज और पीजीआईएमएस रोहतक में ले सकता है।

70 से 80 मरीजों का हर माह उपचार

ब्लड बैंक विभागाध्यक्ष डॉ. गजेंद्र सिंह की मदद से प्रतिमाह 70-80 काले पीलिया के मरीजों को चिन्हित कर निशुल्क इलाज किया जाता है जो रक्तदान के लिए आते हैं। ऐसे ही 25-30 मरीज प्रतिमाह डायलिसिस के दौरान काले पीलिया की बीमारी से ग्रसित पाए जाते हैं और इलाज के लिए पंजीकृत किये जाते हैं। काले पीलिया मरीजो के परिवार में 13 प्रतिशत सदस्यों में काला पीलिया पाया गया है और उनको इलाज के लिए पंजीकृत किया गया और बाकी सदस्यों जिनमें काला पीलिया नहीं है उन्हें हेपेटाइटिस बी से बचाव के लिए वैक्सीन दी गई है। काले पीलिया के वायरस के टेस्टों का दायित्व डॉ परमजीत सिंह गिल प्रोफेसर माइक्रोबायोलॉजी निभा रहे हैं।

तीज के मौके पर महिलाएं सजधज कर मंगल गीतों के साथ झूला झूलती दिखाई दीं

युवाओं ने की दिनभर पतंगबाजी, महिलाओं ने लोकगीत गाए और झूले का लिया आनंद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

हरियाणवी संस्कृति एवं हरियाली का प्रतीक तीज उत्सव रविवार को जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। उत्सव के मौके पर महिलाएं सजधज कर मंगल गीतों के साथ झूला झूलती दिखाई दीं। पर्व के मौके पर युवाओं व बच्चों ने पतंगबाजी का लुत्फ उठाया। शहर के बाजारों में भी पर्व को काफी रौनक देखने को मिली। तीज पर्व को लेकर घरों में तरह-तरह के पकवान भी बनाए गए। नगर के धार्मिक स्थानों के अलावा सार्वजनिक स्थलों, गांव के मुख्य चौराहों पर भी सामूहिक रूप से तीज पर्व मनाया , जहां महिलाएं व बच्चे झूलते दिखाई दिए। कई जगह धार्मिक रागनी कार्यक्रम भी हुए जिनमें सूर्य कवि पं. लख्मीचंद द्वारा रचित चौगरदे तै बाग हरा, घनघोर घटा सामण की, छोरी गावैं गीत सुरीले झूल घली कामण की रागनी को खूब सुना गया।

बाजारों में रही रौनक

तीज पर्व के मौके पर बाजारों में रौनक रही। बाजारों में पतंग इत्यादि की स्टालों पर बच्चों की भीड़ जुटी। वहीं कई सामाजिक, शैक्षणिक एवं धार्मिक संस्थाओं द्वारा मेहंदी रचाओ प्रतियोगिताओं का आयोजन भी किया गया। जिसमें महिलाओं ने आकर्षक मेहंदी रचाई और पर्व की खुशियां बांटी।

हुडा सिटी पार्क में मनाई तीज

इसके साथ ही हरियाली तीज के अवसर पर हुडा सिटी पार्क में कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महिलाओं ने पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य किया। तीज के गीत गुनगुनाए और एक दूसरे को तीज का शुभकामनाएं दी। इस दौरान पार्क में आने वाले लोगों ने भी तीज उत्सव में भाग लिया। तीज उत्सव के दौरान पेड़ों पर झूले यानी पींग डाली गई, जिसका महिलाओं ने भरपूर आनंद लिया। हरियाणवी परिधानों में महिलाओं को झूलों का आनंद लेते हुए देखा गया। वहीं छोटे बच्चे भी झूलों पर झूलते हुए नजर आए। पार्क में मेले जैसा माहौल बना रहा। गुलगुले, पूड़े, सुहाली आदि पकवान घर में बनाए जाते हैं। वहीं सावन के गीतों पर महिलाएं नाचते हुए अपनी खुशी को जाहिर करती है। महिलाओं ने बताया कि, तीज का महत्व महिलाओं के लिए क्या है, यह आज की युवा पीढ़ी को पता भी नहीं है। तीज का उत्सव मनाने के पीछे उद्देश्य यही है कि युवाओं को तीज के पीछे की कहानी बताई जा सके और जो परंपराएं सदियों से चलती आ रही है।

मॉडल स्कूल महम के विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महम

मॉडल स्कूल महम में तीज उत्सव का आयोजन किया गया। इस उत्सव में छात्र छात्राओं ने हर्षोल्लास के साथ भाग लिया और अपनी विभिन्न प्रतिभाओं का सुंदर प्रदर्शन किया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने हरियाणवी नृत्य, कविताएं, लोक गीत और अन्य रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से सबका मन मोह लिया। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय प्रभारी डॉ. हिमांशु शर्मा की अगुवाई में किया गया। विद्यालय के डीपी देवेंद्र ने बताया कि तीज आयोजन न केवल विद्यार्थियों के लिए आनंददायक रहा, बल्कि सभी को भारतीय संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम भी सिद्ध हुआ। अतिथियों ने बच्चों को तीज पर्व का सांस्कृतिक और पारंपरिक महत्व समझाया और उन्हें अपने संस्कारों से जुड़ने की प्रेरणा दी। मॉडल एजुकेशन सोसायटी के चेयरपर्सन व जिला उपयुक्त धर्मेन्द्र सिंह, उपाध्यक्ष रामअवतार गुप्ता, सचिव राजेश सहगल ने बच्चों की प्रस्तुतियों और कार्यक्रम की सराहना की। इस मौके पर मॉडल स्कूल कलानौर के प्रधानाचार्य प्रवीण खुराना, सरपंच ज्योति राठी, सरपंच सुनीता शर्मा, सरपंच उर्मिला व आशा कुमारी समेत कई मौजिज व्यक्ति मौजूद थे।

महम। तीज उत्सव में भाग लेते मॉडल स्कूल महम में विद्यार्थी व शिक्षक।

शीतला पब्लिक स्कूल लाखन माजरा में मनाया तीज महोत्सव, मेहंदी प्रतियोगिता भी करवाई

महम। शीतला पब्लिक स्कूल में तीज का त्योहार धूमधाम से मनाया। कार्यक्रम में सरस्वती वंदना, स्वागत गीत, हरियाणवी डांस, पंजाबी डांस, शिव पार्वती स्किट और हरियाणवी नुक्कड़ नाटक जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता और पतंग उड़ाओ प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। मेहंदी प्रतियोगिता में हर्षिता (रूबी हाउस) ने प्रथम स्थान और लक्षिता (सफायर हाउस) ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। पतंग उड़ाओ प्रतियोगिता में रूबी हाउस ने पहला स्थान प्राप्त किया। सप्रधानाचार्या कविता नरवाल ने सभी बच्चों को तीज उत्सव की बधाई देते हुए कहा कि तीज उत्सव हमारी संस्कृति और परंपराओं का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। हमें अपनी संस्कृति को बनाए रखने और आगे बढ़ाने के लिए ऐसे आयोजनों का आयोजन करना चाहिए।

श्री राम पार्क में मनाई तीज,विधायक बीबी बत्रा ने दी बधाई

रोहतक। श्री राम शर्मा पार्क में तीज उत्सव मनाया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंच कर कांग्रेस विधायक बीबी बत्रा ने त्योहार मनाया। इस दौरान महिलाओं ने लोक गीत गाए और पेड़ों पर लगे झूलों पर झूले। उन्होंने सभी को तीज की शुभकामनाएं दी।

सुभाष पार्क सुभाष नगर में तीज महोत्सव का आयोजन

रोहतक। सुभाष नगर के पार्क में रविवार को तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। जिसका संचालन एसएनजन वेलफेयर एसोसिएशन द्वारा किया गया। इस आयोजन की अध्यक्षता संस्था के प्रधान जतिन बत्रा ने की। यह तीज मेला परंपरा, संस्कृति और सामुदायिक एकता का अद्भुत संगम बनकर उभरा, जिसमें क्षेत्र की महिलाओं, बच्चों और परिवारों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। इस रंगारंग मेले में डीजे के साथ-साथ ढोल भी बजाए गए,जहां पर बच्चों का डांस, तंबोला, मेहंदी, झूले,स्टॉल, स्वादिष्ट व्यंजन, बच्चों की फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। प्रधान जतिन बत्रा ने बताया कि इस तीज मेले के जरिए लोगों को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का मौका मिला। इस अवसर पर वार्ड 13 की पार्षद कृष्णा वन्ती एवं सुरेंद्र भूटानी, हिमांशु गाबा, सोम हरिया , अशोक अरोरा, आत्म प्रकाश हुडिया, राजिंदर भाटिया, संजय चुग, शालू बत्रा, सुभाष पसीजा, हरीश चावला, राजकुमार डंग, योगी अरोरा, सुभाष भूटानी, चिराग गांधी, राजीव गोयल, सुभाष मल्होत्रा आदि मौजूद रहे।

बीपी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर में मनाया हरियाली तीज पर्व

रोहतक। मां दानो देवी धर्मार्थ ट्रस्ट की तरफ से संचालित विमल प्रसाद जैन एवं सुशीला देवी जैन फिजियोथैरेपी सेंटर पर रविवार को तीज पर्व मनाया गया। इस दौरान सभी ग्रामवासियों को घर के बने पकवान खिलाए गए, साथ ही सभी लोगों को भगवान स्वस्थ रखें और लंबी आयु दें। ऐसी कामना की गई।

संस्था के संचालक तस्वीर हुड्डा ने बताया कि सोलह श्रृंगार की प्रथा का प्रारंभ कामदेव और रति के काल से माना जाता है। कहा जाता है कि युवावस्था में रति रूपवती नहीं थीं, इसलिए दुखी रहती थीं। रति को कोई पसंद भी नहीं करता था, इसलिए उन्होंने देवी लक्ष्मी की कठोर तपस्या कर उन्हें प्रसन्न किया। संस्था के कोषाध्यक्ष नवनीत हुड्डा ने बताया कि इस फिजियोथैरेपी सेंटर का संचालन समाजसेवी राजेश जैन की तरफ से किया जा रहा है। ऐसे में सेंटर पर हर रविवार को निशुल्क फिजियोथैरेपी कैंप का आयोजन किया जाता है। इस मौके पर नवीन, कनिका, देवेंद्र कुंडू, डॉक्टर ज्योति और गांव के अन्य लोग मौजूद रहे।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नही हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।

हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5×8 सें.मी 10× 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

टैगोर सभागार में होगा कार्यक्रम

एमडीयू में दीक्षारम्भ उत्सव की तैयारियां पूरी, आगाज आज से

- विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संरचना, नियमावली, पाठ्यक्रमों की जानकारी, शोध व करियर विकल्पों के बारे में अवगत कराया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

महर्षि दयानंद विवि (एमडीयू) में 28 जुलाई से तीन दिवसीय दीक्षारम्भ उत्सव का आयोजन होने जा रहा है। इस उत्सव को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी तैयारियां पूर्ण कर ली हैं। नव प्रवेश प्राप्त स्नातक विद्यार्थियों के स्वागत व मार्गदर्शन के लिए आयोजित इस उत्सव का शुभारंभ विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रो. राजबीर सिंह करेंगे। वह इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे। डीन, स्टूडेंट्स वेलफेयर प्रो. सपना गर्ग के नेतृत्व में आज आयोजन समिति की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें दीक्षारम्भ उत्सव की समस्त तैयारियों की समीक्षा की गई। प्रो. सपना गर्ग ने विभिन्न समितियों को सौंपे गए कार्यों की प्रगति का जायजा लिया और उन्हें आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम विद्यार्थियों के शैक्षणिक जीवन की शुरुआत को सकारात्मक दिशा देने का माध्यम है। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी स्वयं को विश्वविद्यालय के परिवेश में सहज महसूस करें और आत्मविश्वास के साथ अपने शैक्षणिक सफर की शुरुआत करें। तीन दिनों तक चलने वाले इस दीक्षारम्भ उत्सव के अंतर्गत विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की संरचना, नियमावली, पाठ्यक्रमों की जानकारी, शोध व करियर विकल्पों के बारे में अवगत कराया जाएगा। साथ ही, विद्यार्थियों के लिए प्रेरक व्याख्यान, इंटरैक्टिव सेशंस और सांस्कृतिक गतिविधियाँ भी आयोजित की जाएँगी। आयोजन का उद्देश्य नवागंतुक विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय की कार्यप्रणाली और उपलब्ध संसाधनों से परिचित कराना है, ताकि वे आरंभ से ही अपने लक्ष्यों के प्रति केंद्रित रह सकें।

डीन ने बताया कि उत्सव के दौरान विश्वविद्यालय की विभिन्न इकाइयों-जैसे पुस्तकालय, खेल विभाग, छात्र कल्याण विभाग, प्रशिक्षण व प्लेसमेंट सेल, महिला प्रकोष्ठ आदि की ओर से विद्यार्थियों को उनकी भूमिकाओं और उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी दी जाएगी।

तीज महोत्सव प्रकृति प्रेम, नारी शक्ति और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीकः कपिल पुरी

- पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सावित्री जिंदल ने स्वामी कपिल पुरी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

गोकर्ण तीर्थ परिसर में हरियाली तीज का उत्सव बड़ी श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाया गया। इस पावन अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व मंत्री एवं वर्तमान विधायक सावित्री जिंदल विशेष रूप से उपस्थित रहीं। उन्होंने गोकर्ण पीठाधीश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया और तीर्थ परिसर में आयोजित तीज मेले का अवलोकन भी किया।

हरियाली तीज के अवसर पर पीठाधीश्वर स्वामी कपिल पुरी महाराज ने कहा कि यह पर्व प्रकृति प्रेम, नारी शक्ति और आध्यात्मिक जागरण का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि हरियाली तीज हमें धर्म, संस्कृति और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देती है। बाबा कपिल पूरी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को सदाचार, संयम और सेवा भाव को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी और सभी के सुख-समृद्धि की कामना की।

विधायक सावित्री जिंदल ने हरियाली तीज के महत्त्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह पर्व नारी शक्ति, प्रकृति प्रेम और सांस्कृतिक समरसता का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से हमारी सांस्कृतिक विरासत जीवित रहती है और समाज में आपसी सद्भाव बना रहता है। कार्यक्रम रोहतक के मेयर रामअवतार वाल्मीकि, भाजपा के प्रदेश कोषाध्यक्ष अजय बंसल, निर्मला गोयल, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, तथा भाजपा जिलाध्यक्ष रणवीर ढाका शामिल रहे। मंच से सभी अतिथियों ने स्वामी कपिल पुरी जी महाराज का आभार प्रकट करते हुए कहा कि तीर्थ क्षेत्र में इस प्रकार के धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजन समाज को जोड़ने का कार्य करते हैं। तीज मेले में भारी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया और पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की।